

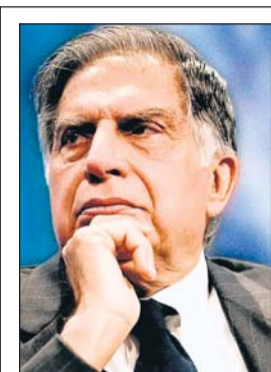
हरियाणा के वरिष्ठ पर्यवेक्षक अशोक गहलोत वहाँ क्या कर रहे थे, चुनाव के दौरान?

जब पार्टी के विद्रोही, हरियाणा में बगावत पर आमादा थे तो क्या इस वरिष्ठ पर्यवेक्षक ने पार्टी के ज़मीनी हालात से हाईकमान को अवगत कराया था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। यह प्रश्न नई दिल्ली से चंडीगढ़ और जयपुर तक पूछा जा रहा है कि हरियाणा चुनाव के दौरान पार्टी के सामने आ रही समस्याओं का समाधान करने के लिये, हरियाणा के लिये पार्टी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक अशोक गहलोत आखिर क्या कर रहे थे। जब पार्टी महासचिव तथा हरियाणा प्रभारी बीमार थे तथा कोमा में थे, तो उस स्थिति में, विद्रोहियों, जो पार्टी को नुकसान पहुँचा रहे थे, को संभालने के लिये, उनसे निपटने के लिये पर्यवेक्षक क्या कर रहे थे, तथा जो कुछ कुछ ज़मीनी स्तर पर हो रहा था, नेतृत्व को उसकी क्या जानकारी दी जा रही थी?
अशोक गहलोत और अजय माकन जैसे पर्यवेक्षक कहीं भी दिखाई या सुनाई नहीं दे रहे थे। किसी को भी नहीं मालूम, कि वे क्या कर रहे थे।
क्या गहलोत केवल किसी पद की फिराक में थे ताकि वे दुनिया को दिखा

सकें कि उनका राजनैतिक अस्तित्व खत्म नहीं हुआ है?
और भूपिन्दर सिंह हूडा, जो उनके पुराने मित्र हैं, जैसे वरिष्ठ नेताओं द्वारा उन्हें क्या संरक्षण/प्रोत्साहन दिया जा रहा था।
वेणुगोपाल, राहुल गांधी द्वारा पावर ऑफ अटॉर्नी दे दिये जाने के कारण, पार्टी में सत्ता के एकमात्र केन्द्र बने हुये हैं। उन्होंने पांच लोगों को टिकट दिये थे तथा वे सब के सब चुनाव हार गये। इनमें एक महिला भी शामिल हैं, जो उनके निकट मानी जाती हैं, वे चौथे नम्बर पर रही हैं।
इस बड़ी पराजय के बाद, राहुल को अपने घर को व्यवस्थित करने की जरूरत है तथा फालतू लोगों, भाजपा-एजेंटों, अक्षम लोगों को हटा देने की जरूरत है, जो पार्टी हित के विरुद्ध काम कर रहे हैं।
अगर राहुल सर्वमान्य नेता बने रहना चाहते हैं तो उन्हें पार्टी के जिम्मेदारी पूर्ण काम बाहर के लोगों तथा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या अशोक गहलोत का हरियाणा जाने का मकसद केवल यह था कि जनता में यह मैसेज जाये कि वे पार्टी में अभी भी राजनीतिक दृष्टि से लुप्त नहीं हुए हैं, अभी भी अहमियत रखते हैं।
यह ही स्थिति, दूसरे पर्यवेक्षक अजय माकन की थी।
कुछ ऐसे ही सवाल के सी. वेणुगोपाल के बारे में पूछे जा रहे हैं। जैसा कि विदित ही है, वेणुगोपाल को राहुल गांधी ने अपनी "पावर ऑफ अटॉर्नी" दे रखी है, उन्होंने हरियाणा में पाँच टिकट दिलवाये थे तथा पाँचों उम्मीदवार वहाँ हारे।
अगर राहुल गांधी को पार्टी का सर्वोच्च नेता बने रहना है तो उन्हें अपने "घर" को संभालना होगा और उन सब पुराने लोगों को हटाना होगा जो आज के संदर्भ में मायने नहीं रखते और पार्टी के हित के खिलाफ काम कर रहे हैं। राहुल पार्टी का संचालन आउट सोर्स कर सकते हैं, अपने चादुकारों को, उन्हें "हैण्ड्स ऑन अप्रोच" अपनायी पड़ेगी तथा पार्टी की मैली राजनीति में अपने हाथ गंदे करने पड़ेंगे।



रतन टाटा नहीं रहे

मुंबई, 9 अक्टूबर। मशहूर उद्योगपति रतन टाटा का निधन हो गया है। उन्होंने 86 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और उनका मुंबई के ब्रीच कैन्डी अस्पताल में इलाज चल रहा था।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त

टाटा समूह के चेयरमैन 86 वर्षीय रतन टाटा ने मुंबई के ब्रीच कैन्डी अस्पताल में अंतिम सांस ली।

किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, श्री रतन टाटा जो एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। इससे पहले 7 अक्टूबर को कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि रतन टाटा ब्रीच कैन्डी अस्पताल की इंटेंसिव (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अप्रत्याशित हार के बाद अपमान के घाव भी मिल रहे हैं कांग्रेस को

इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने कांग्रेस को आँखे दिखानी शुरू कर दी हैं

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। इस समय कांग्रेस केवल भाजपा से मिले चुनावी आघात एवं जख्म से ही नहीं, बल्कि इंडिया ब्लाक के गठबंधन पार्टनरों से काफी हद तक अपमानित महसूस कर रही है।
हरियाणा में अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद, भाजपा को सत्ता से हटा पाने की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में कांग्रेस के असफल रहने के बाद, इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने इस 'ग्रांड ओल्ड पार्टी' के विरुद्ध बड़े बोल बोलने शुरू कर दिए हैं। अरविन्द केजरीवाल को आप ने घोषणा कर दी है कि वह आगामी दिल्ली चुनाव अपने बलबूते पर लड़ेगी। उधर, महाराष्ट्र में एम.वी.ए. की गठबन्धन पार्टनर शिव सेना ने अपने मुखपत्र "सामना" में अत्यन्त कटु सम्पादकीय लिखा है। सम्पादकीय कांग्रेस की आलोचना करते हुये कहता है कि कांग्रेस ने "आन्तरिक अनबन" और अति आत्मविश्वास एवं अधिकार मान लेने की भवना" के फलस्वरूप, हरियाणा की स्पष्ट एवं सहज जीत का अवसर गँवा दिया है। उद्भव टाकरे एम.वी.ए. के दोनों पार्टनरों पर दबाव बनाये हुये हैं कि

लोकसभा चुनावों के अच्छे प्रदर्शन और फिर राहुल गांधी के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद कांग्रेस फूली नहीं समा रही थी तथा सहयोगी दल कुछ शांत से थे। हरियाणा चुनावों की हार से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को कांग्रेस पर उंगली उठाने का मौका मिल गया है।
आप ने कह दिया है कि वो दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। वहीं सपा ने भी यूपी. की दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों के लिए 6 सीटों पर प्रत्याशियों की एकतरफा घोषणा कर दी।
महाराष्ट्र में उद्भव टाकरे की शिव सेना ने अपने मुख पत्र सामना के संपादकीय में कांग्रेस की कड़ी आलोचना की।
दोनों ही उपलब्धियों का महत्व अब कम होने लगा है। इस अर्थ में, कांग्रेस की हरियाणा में हुई हार कांग्रेस के लिये राष्ट्रव्यापी महत्व रखती है तथा यह हार इस सोच को भी मजबूत कर रही है कि कांग्रेस जीती हुई लड़ाई भी हार जाती है।
जम्मू-कश्मीर में इंडिया ब्लाक की निर्णायक जीत का जिक्र करते हुये, "सामना" के सम्पादकीय में कहा गया है कि आप जैसे मित्र दलों से परामर्श न करना, हरियाणा में कांग्रेस के लिये महंगा साबित हुआ है। जहाँ तक आप नेताओं (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अभी नहीं तो कभी नहीं

इस दिवाली महिंद्रा बोलेरो के शानदार ऑफर्स का लाभ उठायें

₹ 103 700.00*

तक के अधिकतम लाभ

को.एस. मोटर्स प्रा. लि.: एम. आई. रोड: 7574808728, वैशाली नगर: 07942530977, वी.के.आई. रोड नं 5: 9783384408, (ब्रांच):- कोटपतली: 8852884871, 9166409090, शाहपुरा: 9001238949, 9461671901, लालसोट: 9414570752, महूआ: 9829552732, बस्सी: 7574808728, दूद: 9929236333, विराटनगर: 9929373114, बांदाईकई: 9414517132, जोबनेर: 8094582000, जैतपुरा: 9460466992, 9828150910, दौसा: 8233279427, 9414045855, जयपुर: ऑटो वर्ल्ड टॉक रोड, प्रतापनगर: 8929653907, राजापाक: 8929653907, (ब्रांच):- सर्वाइमाधोपुर: 8929653907, गंगापुरसिटी: 8929653907, टोंक: 8929653907, अलवर: जे.एस. फोरवर्ड मोटर्स प्रा. लि. अलवर, बहरोड़, करौली: 8302658892, भिवाड़ी: 9289464947, धौलपुर/भरतपुर: 9625374409, सीकर: गहलोत मोटर्स प्रा. लि. सीकर: 9414039978, 9983086958, श्रीमाधोपुर: 7412074594, झुंझुनू: 9414059948, उदयपुरवादी: 9414039952, चिडावा: 7412049988, खेतड़ी: 9983560927, नीम का थाना: 9414033482, बीकानेर: बीकानेर मोटर्स प्रा. लि. बीकानेर/चूरु/सुजानगढ़: 8527241179, उदयपुर: के.एस. ऑटोमोबाइल्स प्रा. लि. उदयपुर: 7574808555, आईओसी पेट्रोल पम्प, गोवर्धन विलास, उदयपुर: 9001317899, प्रतापगढ़: 7727087373, 9001897397, बांसवाड़ा: 7727011069, 9773316278, 9773318630, 9773326964, 9950207844, झुंझुनू: 9001297956, 8233009909, सागवाड़ा: 7726006927, 9929958164, चित्तौड़गढ़: 8003093548, 8233009810, 9001799790, 9773396753, 9116629684, प्रतापगढ़: 7727087373, 9001897397, रावतभाटा: 8233009810, आबूरोड़: 9116504111, 9928040209, सिराही: 9929958177, 7727083939, 8529080964, भीलवाड़ा: भीलवाड़ा एग्री ऑटो सर्विस (प्रा.) लि. भीलवाड़ा/बिजोलिया/राजसमन्द/भीम: 8875016206, कोटा: एवरग्रीन मोटर्स कोटा: 9654126004, 9928911655, क्यूब: 9654126004, 9829029755, चूँदी: 9654126004, 9829226555, बार: 9654126004, 9829226655, झालावाड़: 9654126004, 9928922755, अजमेर: परम ऑटोमोबाइल्स प्रा. लि. अजमेर: 9205995747, किशनगढ़: परम महिंद्रा किशनगढ़: 9205995747, 9521815789, नागौर: नागौर ऑटोमोबाइल्स प्रा. लि. नागौर: 7291983310, 8003899701, (ब्रांच) मेड़ता: 7291983310, 9414119003, डेगाना: 7291983310, 9414603205, कुचामनसिटी: 7291983310, 9413385702, डीडवाना: 7291983310, 9829146228, छटी खाटू: 8239343536, लाडनू: 7291983310, 9314014841, गंगानगर: वी. डी. मोटर्स प्रा. लि. श्रीगंगानगर: 9672078696, 9672078697, 9414093025, 9414093041, सुरतगढ़: 9672064445, 9414093016, अनूपगढ़: 9414093027, हनुमानगढ़: 9214093020, 9672064447, 9672058887, नोहर: 9672028885, जोधपुर: ऑ. एस. मोटर्स जोधपुर: 9413078666, 7791960164, बाड़मेर: 7023067805, बालोतरा: 9664251725, जैसलमेर: 7340105190, फलोदी: 9413660844, पाली: 9610078677, सुमेरपुर: 9784839760, जालौर: 9772708668, भीनमाल: 9829809490, सांचौर: 9602664390, जैतारन: 9024835145, बासनी: 9829433352